सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 9 ● अंक: 342 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 23 जनवरी, 2024

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

उपयुक्त समय आने पर वृक्ष में फल लगता है। झड़ने का समय आने पर वह झड़ जाता है। सदा किसी की अवस्था एक जैसी नहीं रहती, इसलिए दु:ख के समय पछताना व्यर्थ है।

–रहीम दास

विराट कोहली पहले दो टेस्ट मैचों में... 7 | बिहार में समय-समय पर उठ... 3 | छात्राओं पर लगे झूठे मुकदमे... 2

राहुल गांधी के काफिले पर लाठीचार्ज

असम के मुख्यमंत्री ने दे दी कांग्रेस को नयी ताकत

भाजपा व आरएसएस भारत की नींव कमजोर कर रहे : राहुल

» मेघालय में कहा- नफरत-हिंसा ने मणिपुर को बांट दिया

» भारत जोड़ो न्याय यात्रा में लोगों का दिखा उत्साह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। राहुल गांधी की अगुवाई वाली भारत जोड़ो न्याय यात्रा को मंगलवार को गुवाहाटी में प्रवेश करने से रोक दिया गया। यात्रा रोके जाने के बाद असम सरकार की तानाशाही के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और बैरिकेड तोड़ दिए। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन के दौरान नारे भी लगाए। कांग्रेस समर्थकों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस को बल प्रयोग करते हुए कई लोगों घायल कर दिया। दरअसल सीएम हिमंत बिस्व सरमा ने कहा था कि सड़कों पर जाम की स्थिति से बचने के लिए यात्रा को शहर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि कांग्रेस कार्यकर्ता शहर में दाखिल होने के लिए अड़ गए। जिसके चलते खानापारा में गुवाहाटी चौक पर भारी भीड़ जमा हो गई। अब यात्रा गुवाहाटी के बाहर इलाके से होकर गुजरेगी।

असम में भारत जोड़ो न्याय यात्रा गुरुवार तक रहेगी। गौरतलब हो कि गुवाहाटी में राहुल गांधी का छात्रों से संवाद होना है। कांग्रेस नेता गांधी ने कहा है कि उन्हें छात्रों से बात करने से रोका जा रहा है। मंगलवार को यात्रा का दसवां दिन है जो असम के बिष्णुपुर में पूरा होगा। कांग्रेस द्वारा साझा किए गए कार्यक्रम के मुताबिक राहुल गांधी मेघालय के री भोई जिले के जोराबाट में एक होटल में उत्तर पूर्व कांग्रेस कमेटी के साथ बैठक करेंगे। इसके बाद गुवाहाटी में छात्रों और सिविल सोसायटी के सदस्यों के साथ भी राहुल गांधी की वार्ता होगी। राहुल गांधी गुवाहाटी से लगभग 75 किलोमीटर दूर कामरूप जिले के दमदमा में एक संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित करेंगे।

बार फिर कांग्रेस भाजपा और आरएसएस के खिलाफ हमलावर हो गई। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि दोनों दल देश की नींव पर लगातार हमला कर रहे हैं। लेकिन भारत जोड़ो न्याय यात्रा भारत के विचार की रक्षा के लिए शुरू की गई है। बता दें, कांग्रेस की यात्रा अब असम से मेघालय पहुंच गई है। मेघालय में कांग्रेस ने सार्वजनिक रैली आयोजित की। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि भारत में सभी धर्मों के लोगों को सौहार्दपूर्ण ढंग से रहना चाहिए। देश में सभी समुदाय, भाषाओं और परंपराओं का सम्मान किया जाना आवश्यक है। भारत के विचारों की रक्षा के लिए हम कन्याकुमारी से कश्मीर तक चले। गांधी ने आगे कहा कि कई लोगों को आश्चर्य हुआ कि यात्रा मणिपुर से क्यों शुरू हुई। मणिपुर से यात्रा शुरू करने का मुख्य कारण है कि आरएसएस और भाजपा की विचारधारा ने मणिपुर के विचार को नष्ट कर दिया है। नफरत और हिंसा की राजनीति ने राज्यों और लोगों को बांट दिया। इससे सैकड़ों लोगों की मौत हो गई। हजारों लोगों को अपनी संपत्ती गंवानी पड़ गई। यह त्रासदी है। हम भारत को संदेश देना चाहते थे कि मणिपुर के लोगों में कितना दर्द है। गांधी ने कहा कि मैं हैरान हूं कि प्रधानमंत्री मोदी अब तक मणिपुर के दौरे पर नहीं आए। क्या मणिपुर भारत का हिस्सा नहीं है। क्या मणिपुर के लोग भारतीय नहीं हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर का निर्देश

असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ने पर एफआईआर करने का निर्देश दिया है। असम सीएम ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि यह असमिया संस्कृति का हिस्सा नहीं है। हम एक शांतिपूर्ण राज्य हैं और ऐसी नक्सली गतिविधियां पूरी तरह से हमारी संस्कृति के खिलाफ हैं। मैंने डीजीपी असम पुलिस को निर्देश दिया है कि वह राहुल गांधी के खिलाफ भीड़ को उकसाने के आरोप में एफआईआर दर्ज करें।

असम में राहुल की न्याय यात्रा रोकने के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने लखनऊ समेत यूपी के कई जिलों में जमकर प्रदर्शन किया।

महिलाएं वहीं असुरक्षित होती हैं, जहां रावण होता है : बोरा

असम कांग्रेस के अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने असम सीएम हिमंता बिस्व सरमा के बयान पर कहा राहुल गांधी का नाम किसी घोटाले में शामिल नहीं है। रावण कौन है? आज असम की महिलाएं सबसे ज्यादा असुरक्षित हैं। महिलाएं वहीं असुरक्षित होती हैं, जहां रावण होता है।

आपको हर किसी को सुनने की आजादी होनी चाहिए

गुवाहाटी में छात्रों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा मैं आपकी यूनिवर्सिटी आकर आपसे बात करना चाहता था और ये समझना चाहता था कि आपको किन परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और यह समझना चाहता हूं कि मैं किस तरह से आपकी मदद कर सकता हूं। देश के गृहमंत्री ने असम के सीएम को फोन किया और आपके सीएम ने आपकी यूनिवर्सिटी के प्रशासन से बात कर कहा कि राहुल गांधी को यूनिवर्सिटी में छात्रों से बात न करने दी जाए। यह अहम नहीं है कि राहुल गांधी यहां आए या न आए। अहम ये है कि आपको हर किसी को सुनने की आजादी होनी चाहिए, जिसे आप सुनना चाहते हैं। यह सिर्फ असम में नहीं हो रहा है बल्कि देश के हर स्कूल कॉलेज और यूनिवर्सिटी में हो रहा है।

छात्राओं पर लगे झूठे मुकदमे को खत्म किया जाए : अखिलेश

» बीएचयू छात्राओं का प्रतिनिधिमंडल सपा प्रमुख से मिला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) छात्राओं का प्रतिनिधिमंडल ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से मुलाकात की। अखिलेश ने भरोसा दिलाया कि वह इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाएंगे और उन्हें न्याय दिलाने की पूरी कोशिश करेंगे। सरकार से मांग की जाएगी कि इस प्रकरण में पीड़िता को न्याय व सुरक्षा दी जाए।

सपा महिला सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नेहा यादव के नेतृत्व में पहुंचे छात्राओं के दल ने सामूहिक दुष्कर्म मामले में सपा छात्रसभा के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं पर दर्ज किए गए झूठे मुकदमे को खत्म कराने और सामूहिक दुष्कर्म पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग की। उन्होंने कहा कि बीते वर्ष एक नवंबर की रात हुई इस सामूहिक दुष्कर्म की घटना में पीड़िता को न्याय दिलाने के लिए शांतिपूर्ण ढंग से विरोध शुरू किया गया तो एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने छात्रसभा के कार्यकर्ताओं के साथ मारपीट की और झूठा मुकदमा दर्ज करा दिया। नेहा यादव ने आरोप लगाया कि इस मामले के आरोपितों के भाजपा नेताओं से संबंध हैं, इसलिए उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हो रही। उन्होंने बीएचयू कैंपस में महिलाओं की सुरक्षा का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि यहां छात्राओं की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे, कैंपस में पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था व बस की सुविधा दी जाए।

राममय हुईं डिंपल यादव, सोशल मीडिया पर तस्वीर की पोस्ट

लखनऊ। अयोध्या में सदियों बाद भगवान श्रीराम अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं। इस अवसर पर पूरा देश राममय हो गया है और अपनी खुशी जाहिर कर रहा है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव ने भी इस मौके पर खुशी जाहिर करते हुए राम दरबार की तस्वीर पोस्ट की और लिखा कि जो करे मर्यादा का मान ॥ उस हृदय बसे सियाराम ॥ जो करे मर्यादा का मान ॥ उस हृदय बसे सियाराम ॥ इसके पहले अखिलेश यादव ने भी प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि जो मूर्ति पत्थर की थी आज प्राण-प्रतिष्ठा के बाद वो भगवान का रूप ले लेगी... जो रास्ता भगवान राम ने दिखाया, उससे वे मर्यादा पुरूषोत्तम राम कहे गए... उम्मीद है कि भगवान राम ने जिस राम राज्य की कल्पना की थी जिसमें गरीब दुखी ना रहे... हम सब उस रास्ते पर चलेंगे।

भाजपा नफरत की राजनीति कर रही : भरत सिंह सोलंकी

» 'इंडिया' गठबंधन लोकसभा चुनाव में जीतेगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू-कश्मीर। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने भाजपा पर देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं को खत्म करने का भी आरोप लगाया। सोलंकी ने डोडा जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए कहा, 'भाजपा प्रतिशोध, नफरत और सांप्रदायिक विभाजन की राजनीति में लगी हुई है... भाजपा लोकतांत्रिक माहौल को खराब कर रही है और उसने देश में लोकतांत्रिक संस्थाओं को खत्म कर दिया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता भरत सिंह सोलंकी ने कहा कि देश में 'इंडियन नेशनल डेमोक्रेटिक इंक्लूसिव अलायंस' (इंडिया) गठबंधन को 'भारी समर्थन' मिल रहा है और भरोसा जताया कि यह आगामी लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि राहुल गांधी की मणिपुर से महाराष्ट्र तक 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' का देश पर काफी असर पड़ेगा।

कांग्रेस की जम्मू-कश्मीर इकाई के प्रभारी सोलंकी ने सांबा जिले में पार्टी कार्यकर्ताओं की एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, 'भारत के लोग 'इंडिया' गठबंधन को विजयी बनाने के लिए तैयार हैं। गठबंधन लोकसभा चुनाव जीतेगा। उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन को भारी समर्थन मिल रहा है। लोग हमारे साथ हैं। सोलंकी ने आरोप लगाया कि भाजपा ने करगिल पर्वतीय परिषद चुनाव हारने के बाद स्थानीय निकायों और पंचायतों से लेकर सभी चुनाव रद्द कर दिए हैं। सोलंकी ने कहा कि भाजपा ने संस्थाओं को खत्म कर दिया है। कांग्रेस हमेशा एकजुट करने वाली भूमिका निभाएगी।' रैली में जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस हमेशा एकजुट करने वाली भूमिका निभाएगी। रैली में जेकेपीसीसी के प्रमुख विकार रसूल वानी और पार्टी के संयुक्त सचिव मनोज यादव भी शामिल थे।

सभी तरह के विवाद छोड़कर एकजुट रहना होगा : भागवत

» बोले- छोटे-छोटे मुद्दों पर आपस में लड़ना बंद करना होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि राम राज्य आ रहा है और देश में सभी को विवादों से दूर रहना चाहिए और एकजुट रहना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी अयोध्या मंदिर में राम लला की नई मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के बाद आई। उन्होंने अयोध्या में राम लला की मूर्ति के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बाद कहा कि राम राज्य आ रहा है और हमें सभी विवादों को दूर करना होगा और छोटे-छोटे मुद्दों पर आपस में लड़ना बंद करना होगा।

हमें अहंकार छोड़ना होगा और एकजुट रहना होगा। भागवत ने यह भी कहा कि रामलला 500 साल बाद घर लौटे हैं और भारत का आत्म-गौरव भी लौटा है। उन्होंने कहा कि लेकिन वह (राम) क्यों चले गए? वह इसलिए चले गए क्योंकि अयोध्या में विवाद थे। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई लोगों की तपस्या के बाद राम लला की घर वापसी हुई। प्रधानमंत्री ने अकेले ही तप किया था और अब, हम सभी को वह करना होगा। भागवत ने कहा कि अयोध्या में रामलला की प्रतिष्ठा के साथ ही भारत का आत्मगौरव लौट आया है। और आज का कार्यक्रम एक नए भारत का प्रतीक बन गया है जो खड़ा होगा और पूरी दुनिया को मदद प्रदान करेगा।

पंजाब में भ्रष्टाचारियों-चोरों का शासन : सिद्धू

» रैली में बोले- ईमानदार कांग्रेस खड़ी करनी है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। मोगा में सिद्धू ने कहा कि अब समय आ गया है जब दहाड़ते शेरों वाली कांग्रेस को खड़ा करना होगा। उन्होंने कहा कि हमें एक ईमानदार कांग्रेस खड़ी करनी है। मैं कोई लुढ़कता हुआ पत्थर नहीं हूं जिस पर मान आकर चुटकुले सुना सकें। गौरतलब हो कि पंजाब कांग्रेस के भीतर संकट और गहरा गया जब पार्टी ने पूर्व विधायक महेशिंदर सिंह और उनके बेटे धर्मपाल को पार्टी के वरिष्ठ नेता नवजोत सिंह सिद्धू के लिए मोगा में एक रैली आयोजित करने के कुछ घंटों बाद पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए नोटिस जारी किया।

इस बीच, मोगा में एक और समानांतर रैली को संबोधित करते हुए, सिद्धू ने सीएम भगवंत मान को पंजाब के मुद्दों पर उनके साथ खुली बहस करने की चुनौती दी। सिद्धू ने कहा कि पंजाब में इस समय भ्रष्ट नेताओं का शासन है। सिद्धू एक कांग्रेसी थे, वह एक कांग्रेसी हैं और एक कांग्रेसी ही मरेंगे। उन्होंने कहा कि मुझे क्लेप्टोक्रेसी नामक इस शब्द के बारे में तब तक पता नहीं था जब तक कि एक उच्च शिक्षित व्यक्ति, जो पंजाब के लिए भी उतना ही चिंतित था, ने मुझे नहीं बताया। यह चोरन दा तंत्र (चोरों का शासन) है। यह भ्रष्ट ही हैं जो अब राज्य पर शासन कर रहे हैं। सीएम मान को उनके साथ बहस करने की चुनौती देते हुए, सिद्धू ने कहा कि आइए एक कमरे में अकेले बैठें और मैं आपको तथ्य बताऊंगा।

लोगों को अब भी राम राज्य की प्रतीक्षा

केंद्र की भाजपा सरकार पर हमला करते हुए, सिद्धू ने कहा, भगवान राम सभी के हैं और अयोध्या मंदिर का जश्न सभी को मनाना चाहिए। लोग राम राज्य की स्थापना की प्रतीक्षा कर रहे हैं जहां गरीबों, किसानों, वंचितों और समाज के अन्य निचले वर्गों के लिए न्याय और समानता हो। लेकिन वह 15 लाख रुपये कहां हैं जो पीएम नरेंद्र मोदी ने विदेशी तटों से काला धन वापस लाने के बाद प्रत्येक निवासी के खाते में जमा करने का वादा किया था।

मंदिर के पुजारियों का हो रहा दमन : आरएन रवि

» तमिलनाडु के राज्यपाल ने सीएम स्टालिन को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई। तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि ने आरोप लगाया कि पूरा देश अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न मना रहा है जबकि यहां राज्य सरकार के नियंत्रण में एक श्रीराम मंदिर के पुजारियों और कर्मचारियों को दमन का सामना करना पड़ रहा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार पर प्राण प्रतिष्ठा संबंधी समारोहों के सार्वजनिक प्रसारण पर प्रतिबंध लगाने का आरोप लगाया है। इसकी पृष्ठभूमि में रवि ने यहां एक मंदिर की अपनी यात्रा का जिक्र करते हुए भाजपा के आरोप का समर्थन किया।

राज्यपाल ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, चेन्नई के पश्चिम माम्बलम में स्थित श्री कोडंडारामस्वामी मंदिर में दर्शन किये और जन कल्याण के लिए प्रभु श्री राम से प्रार्थना की। यह मंदिर राज्य सरकार के हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के अधीन है। उन्होंने आरोप लगाया, पुजारियों और मंदिर के कर्मचारियों के चेहरे पर भय और आशंकाओं के भाव स्पष्ट रूप से देखे जा सकते थे। देश के बाकी हिस्सों में जिस तरह का माहौल है, यह उससे ठीक विपरीत है। पूरे देश में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के जश्न का माहौल है जबकि मंदिर परिसर में दमन की भावना झलक रही थी।

बिहार में समय-समय पर उठ रही रार

जदयू छोड़ रहे नेता, राजद में एक-दूसरे पर वार कर रहे नेता

- महागठबंधन में नहीं बनी आम सहमति
- सीटों के बंटवारे पर बात करने में आ रही मुश्किल
- राजद में खटपट की आवाजें दे रही सुनाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में जहां भाजपा एकबार फिर नीतीश को अपने पाले में करने का मंसूबा बनाने लगी है जो जदयू भी पूरी तरह से चौकन्नी हो गई है। बार-बार बिहार भाजपा द्वारा यह जाने पर कि राजनीति में कुछ भी स्थाई नहीं होता कोई कभी भी कहीं भी आ जा सकता है के बयान को जदयू न नकार दिया है। जदयू हमेशा से कह रही है कि वह महागठबंधन के साथ है पर इन सबके बीच राजद व जदयू केअंदर सब ठीक नही चल रह है। जहां राजद में दोनों बड़े नेता एकदूसरे की टांग खींच रहे हैं। तो वहीं जदयू के बड़े नेता पार्टी को छोड़कर जा रहे हैं। ऐसे में ये चर्चा आम हो रही है है बिहार में नीतीश का प्रभव कत हो रहा है।

राजद शिक्षक प्रकोष्ठ की बैठक रविवार को प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष हरिशंकर प्रसाद यादव की अध्यक्षता में हुई। इसमें 24 जनवरी को पटना के श्री कृष्ण मेमोरियल हाल में आयोजित जननायक कर्पूरी ठाकुर जन्मशताब्दी समारोह को सफल बनाने को लेकर चर्चा की गई। अधिक से अधिक संख्या में जिले के कार्यकर्ताओं की भागीदारी का निर्णय लिया गया। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश राजद महासचिव जयशंकर प्रसाद यादव ने कहा कि जिला राजद अध्यक्ष पार्टी को लगातार कमजोर करने में लगे हुए हैं। 10 जनवरी को आयोजित कार्यकर्ता संवाद सम्मेलन में जिला कमेटी के लोगों को सम्मान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कई प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्षों एवं प्रदेश पदाधिकारियों को सूचित नहीं किया। यह गंभीर विषय है, इससे पार्टी कमजोर हो रही है। वह पार्टी को पॉकेट में रखकर चला रहे हैं। इससे कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश है। प्रदेश नेतृत्व से लगातार मांग कर रहे हैं कि उनके द्वारा पार्टी के समर्पित एवं निष्ठावान कार्यकर्ताओं की उपेक्षा से दल कमजोर हो रहा है, इसलिए कार्रवाई होनी चाहिए। आने वाले समय में पार्टी को नुकसान की भरपाई करना कठिन होगा। पटना में 24 जनवरी को आयोजित जननायक कर्पूरी जयंती शताब्दी समारोह में पंचायती राज प्रकोष्ठ के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग लेंगे। जिला पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष एवं पूर्व जिला परिषद सदस्य वीणा यादव ने कहा कि प्रदेश स्तरीय जननायक कर्पूरी जयंती शताब्दी समारोह पटना के कृष्ण मेमोरियल हाल में आयोजित किया जाएगा। इसका उद्घाटन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव करेंगे। इस कार्यक्रम में सभी प्रखंडों से पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला कमेटी और पंचायत कमेटी के सदस्य सैकड़ों की संख्या में भाग लेंगे।

जदयू ने गिरिराज पर साधा निशान

बिहार के पूर्व शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर से सीएम नीतीश कुमार नाराज चल रहे थे, इस वजह से उनका विभाग बदल दिया गया। काफी समय से यह अफवाह मीडिया में चल रही थी। अब इस बात से पर्दा उठ गया है। दरअसल, इसपर जदयू नेता और बिहार सरकार में मंत्री अशोक चौधरी ने खुलकर बात की। जब अशोक चौधरी से पूछा गया कि सीएम की नाराजगी की वजह से चंद्रशेखर का विभाग बदला गया है? इसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि लालू यादव और तेजस्वी यादव नीतीश कुमार से मिलने पहुंच गए, तो ऐसे में थोड़ा आप लोग भी सोचिए क्या हुआ होगा। चौधरी ने आगे कहा कि चंद्रशेखर का विभाग उनके पार्टी के नेताओं ने बदलवाया होगा। वह राजद कोटे के मंत्री हैं, इसलिए कौन सा विभाग किसको जाएगा? यह तो वही निर्णय ले सकते हैं। इसमें हमारी कोई भूमिका नहीं है। वहीं, गिरिराज सिंह ने ट्वीट कर कहा था कि नीतीश कुमार को आज के दिन खुद को राम को समर्पित कर देना चाहिए, ऐसे में राज्य में छुट्टी देनी चाहिए। इसका जवाब देते हुए चौधरी ने कहा कि गिरिराज सिंह भर पेट खाते हैं। वह खुद को सबसे बड़े राम भक्त और शिव भक्त मानते हैं, बाकी लोगों को भक्त नहीं समझते हैं। अब गिरिराज सिंह सर्टिफिकेट बाटेंगे? गौरतलब है कि बिहार सरकार ने नियमित रूप से अपने वक्तव्यों की वजह से विवाद में रहने वाले डॉ. चंद्रशेखर को शिक्षा विभाग से विदा कर दिया है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री आलोक मेहता को शिक्षा विभाग का नया मंत्री बनाया गया है। वहीं, चंद्रशेखर को अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण महकमा गन्ना विभाग का जिम्मा दिया गया है।

विकसित बिहार के लिए लड़ाई रहेगी जारी : चिराग

बिहार को विकसित राज्य की श्रेणी में लाने की ल?ाई जारी रहेगी। बिहार फर्स्ट, बिहारी फर्स्ट के सपनों को जबतक साकार नहीं कर देते, हमारी लड़ाई जारी रहेगी। जब भी विकास की बात करता हूं, हमें तोड़ने का प्रयास किया जाता है, लेकिन मैं कभी टूटूंगा नहीं, झुकूंगा नहीं। ये बातें लोजपा (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जमुई से सांसद चिराग पासवान ने रविवार को मोतीपुर के बिजली विभाग के मैदान में एक मिलन सभा को संबोधित करते हुए कहीं। इस अवसर पर उन्होंने स्व. रघुनाथ पांडेय की पुत्रवधु और अमरनाथ पांडेय की पत्नी विनीता विजय को पार्टी की सदस्यता दिलाई। उन्होंने कहा, विनीता विजय के पार्टी में शामिल होने से वैशाली ही नहीं, बिहार में पार्टी मजबूत हुई है। इस अवसर पर उन्हें शाल व तलवार भेंटकर सम्मानित भी किया गया। विनीता विजय लोजपा (रामविलास) में शामिल होने के बाद विनीता विजय ने कहा, 2025 में चिराग पासवान को बिहार का मुख्यमंत्री बनाना है। इससे बिहार की सूरत बदलेगी। रोजगार और शिक्षा में बेहतर कार्य होगा।

सीमांचल से गरमाएगी राजनीति

राहुल भी 30 या 31 जनवरी को पूर्णिया या कटिहार में रैली करेंगे। इसके बाद वे बंगाल की सीमा में प्रवेश करेंगे। दो प्रमुख दलों के दो बड़े नेताओं के सीमांचल में होने से तय है कि अब लोकसभा चुनाव की राजनीति गरमाएगी।

राहुल व नड्डा मथेंगे अब पूरा राज्य

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद अब देश में लोकसभा चुनाव की राजनीति जोर पकड़ेगी। बिहार में इसकी शुरुआत सीमांचल से होने जा रही है। एनडीए (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) एवं आईएनडीआईए (भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन) के बड़े नेता अपने चुनावी अभियान का श्रीगणेश यही से करेंगे। इस महीने के अंत में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा कटिहार में होंगे। 30 जनवरी से वे चुनावी अभियान शुरू करेंगे। भाजपा की ओर से चार लोकसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं को यानी पूर्णिया क्लस्टर में आने वाले संसदीय क्षेत्र की रैली को संबोधित करने आ रहे हैं। हालांकि, रैली की तिथि में फेरबदल होने की संभावना भी है। वहीं, कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी अपनी न्याय यात्रा को लेकर तीन दिनों बिहार में रहेंगे।

जदयू को लगा करारा झटका

लोकसभा चुनाव से पहले बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक और झटका मिल गया है। जदयू के एक दमदार नेता ने पार्टी का साथ छोड़ दिया है। हालांकि उन्होंने पार्टी छोड़ने का कारण व्यक्तिगत बताया है। बता दें कि हाल ही में जदयू के बड़े नेता कौशल सिंह ने भी पार्टी से इस्तीफा दिया था। अब एक और नेता ने भी इस्तीफा दे दिया है। इस संबंध में उन्होंने बिहार के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा को पत्र लिखकर जानकारी दी है। उन्होंने अपने पत्र में बताया कि वह व्यक्तिगत कारणों से पार्टी से इस्तीफा दे रहे हैं। हालांकि, कुछ विश्वसनीय सूत्रों की मानें तो वह भगवान राम को लेकर पार्टी के स्टैंड से काफी नाराज चल रहे थे। इस वजह से उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा के दिन ही पार्टी से इस्तीफा दे दिया। बता दें कि कुछ ही दिनों पहले जदयू के एक और बड़े नेता ने पार्टी से इस्तीफा दिया था। बांका में अंग किसान मोर्चा के संयोजक और आस्था फाउंडेशन के निदेशक कौशल कुमार सिंह ने 15 जनवरी को जदयू (छ्ष्ठ) की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। पूर्व विधानसभा प्रत्याशी कौशल कुमार सिंह ने पिछले दिनों ही अपने समर्थकों के साथ जदयू की सदस्यता ली थी। जिसके बाद उन्हें पार्टी के प्रदेश सचिव की जिम्मेदारी दी थी। उन्होंने भी इस्तीफे में पार्टी में चल रही गतिविधियों से निराशा प्रकट किया था।

जद(यू)
जनता दल (यूनाइटेड)

रोजगार के लिए पलायन कर रहे बिहार के युवा

रोजगार के लिए पलायन कर रहे बिहार के युवा चिराग पासवान ने कहा कि 15 वर्षों तक लालू और तकरीबन 20 वर्षों से नीतीश की सरकार बिहार में चल रही है। बिहार के युवा रोजगार के लिए पलायन कर रहे हैं। बिहार में कानून व्यवस्था खराब है। उन्होंने लोगों का आह्वान किया कि बिहार को विकास के रास्ते पर ले जाने के लिए उनका सहयोग करें। कोरोना काल की चर्चा करते हुए कहा कि जब बिहार के लोग अन्य प्रदेशों से अपने घर लौट रहे थे उस समय उनके पिता रामविलास पासवान अपने स्वास्थ्य की चिंता किए बगैर लोगों के बारे में सोचते रहे। उन्होंने कहा, अगर बिहार में सत्ता परिवर्तन होता है तो मोतीपुर की बंद चीनी मिल को चालू करने की दिशा में काम होगा। वहीं उन्होंने राजस्थान के कोटा की तरह बिहार में शिक्षण संस्थान खोलने और छात्रों के पलायन को रोकने की दिशा में काम करने का भरोसा लोगों को दिलाया। उन्होंने लोगों से कहा कि 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा है। उस दिन घरों पर दीये जलाएं। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कहा कि बिहार फर्स्ट बिहारी फर्स्ट को साकार करने के लिए चिराग पासवान के हाथों को मजबूती प्रदान करें।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जिद... सच की

रामराज्य के लिए राम को आदर्श मानें लोग

रामलला अपने मंदिर में विराजमान हो गए। इसी के साथ अब देश में ये चर्चा भी आम हो गई है क्या राम के आदर्शों को पालन करेगा देश या सिर्फ बातों में ही रह जाएंगी राम की बातें। पीएम से लेकर विपक्ष के सभी नेताओं ने अपने संदेश में यही कहा कि पूरा देश राम के आदर्श पर ही चलना चाहिए हर आम आदमी को सुख, समृद्धि और समानता मिलना चाहिए। धर्म के नाम पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। खैर ये तो आगे देखा जाएगा कि 22 जनवरी केबाद देश की दिशा किस ओर जाती है पर उम्मीद की जानी चाहिए कि राम सबके मन में रमेंगे और पूरा देश सर्वर्ध संभाव के भाव से चलता रहेगा। महात्मा गांधी एक शब्द में समझा जा सकता है अगर कल्याणकारी राज्य की कल्पना करनी है तो राम राज्य होना चाहिए। उन्होंने कहा, जहां सभी खुश हैं और कोई दुखी नहीं है। विभिन्न लेखों में गांधी ने एक आदर्श राज्य के अपने विचार का वर्णन किया।अयोध्या में राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के साथ ही हर तरफ राम की चर्चा है।

वैसे तो सबके अपने-अपने राम हैं। लेकिन राम गांधी के भी हैं जो थोड़े अलग हैं। गांधी के राम रघुपति राघव राजा राम हैं जो रामराज्य की अवधारणा की पुष्टि करते हैं। राम राज्य शब्द राजनीतिक चर्चा में उभर आया है। यह शब्द एक आदर्श राज्य को संदर्भित करता है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह राज्य राम के अपने राज्य अयोध्या लौटने और अपना शासन स्थापित करने के बाद अस्तित्व में था। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि राम राज्य की भावना संविधान में निहित है और इसके निर्माताओं ने सोच-समझकर मौलिक अधिकारों से संबंधित अध्याय के शीर्ष पर भगवान राम, लक्ष्मण और देवी सीता की तस्वीर रखी थी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले साल कहा था कि यूपी राम राज्य की भूमि है और इसी भावना के साथ आगे बढ़ रहा है। आर्थिक समृद्धि, विकासोन्मुख समाज और राजनीतिक अखंडता का निर्माण ही प्रत्येक नागरिक के जीवन में खुशहाली ला सकता है। पीएम मोदी ने भी इस अवधारणा के बारे में बात की है कि एमके गांधी ने इसकी व्याख्या कैसे की। 2014 में अयोध्या में एक राजनीतिक रैली में मोदी ने एक भाषण में कहा था कि जब लोग महात्मा गांधी से पूछते थे कि राज कैसा होना चाहिएज महात्मा गांधी एक शब्द में समझा देते थे कि अगर कल्याणकारी राज्य की कल्पना करनी है तो राम राज्य होना चाहिए। उन्होंने कहा, जहां सभी खुश हैं और कोई दुखी नहीं है। विभिन्न लेखों में गांधी ने एक आदर्श राज्य के अपने विचार का वर्णन किया। 1929 में हिंद स्वराज में लिखते हुए उन्होंने कहा कि रामराज्य से मेरा तात्पर्य हिंदू राज से नहीं है। र

“ पीएम से लेकर विपक्ष के सभी नेताओं ने अपने संदेश में यही कहा कि पूरा देश राम के आदर्श पर ही चलना चाहिए हर आम आदमी को सुख, समृद्धि और समानता मिलना चाहिए। धर्म के नाम पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। खैर ये तो आगे देखा जाएगा कि 22 जनवरी केबाद देश की दिशा किस ओर जाती है पर उम्मीद की जानी चाहिए कि राम सबके मन में रमेंगे और पूरा देश सर्वर्ध संभाव के भाव से चलता रहेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राहुल की यात्रा लोकतंत्र के राम की 'प्राण प्रतिष्ठा' है!

श्रवण गर्ग

पंद्रह राज्य, 110 जिले, 6,713 किलो मीटर लंबा रास्ता और 66 दिनों का सड़कों पर सफर ! जनता के बीच, जनता के लिए! 'लोकतंत्र के राम' की देश की 140 करोड़ जनता के हृदयों में प्राण प्रतिष्ठा के लिए! एक लगातार चलने वाली यात्रा। लोगों की आँखों में आँखें डालकर उनके आंसुओं में खुशी और गमों की तलाश करने का यज्ञ। जनता से उसकी ही ज़ुबान में ही बातचीत करने की कोशिश। कोई छोटा-मोटा काम नहीं हो सकता। यह यात्रा उस चार हजार किलो मीटर के साहस से भिन्न है जिसे कन्याकुमारी से कश्मीर तक पैदल नापा गया था और जिसने देश भर में उम्मीदें जगा दी थीं कि चीजें और सत्ताएं बदली जा सकतीं हैं। जरूरत सिर्फ एक ईमानदार संकल्प की है!

वक्त के मान से पहली 'भारत जोड़ो यात्रा' ज्यादा लंबी थी पर इसलिए छोटी थी कि नदियों, पहाड़ों, जंगलों और निर्जन स्थलों से गुजरते वक्त भी लोगों का एक बड़ा समूह हरदम साथ चलता था। वह यात्रा 150 दिनों की थी। यह सिर्फ 66 दिनों की है। अभी सिर्फ तीन राज्य और दो सप्ताह ही पूरे हुए हैं। इस यात्रा में सुनसान रास्तों से गुजरते वक्त बस में कुछेक सहयोगी और केवल एक यात्री ही रहने वाला है। बस की खिड़की से बाहर बसे भारत को चुपचाप निहारता हुआ। हजारों किलो मीटर की इस अद्भुत और ऐतिहासिक यात्रा के दौरान कभी एक क्षण ऐसा भी आ सकता है जब राहुल गांधी स्वयं से सवाल करने लगें कि भारत की जिस तस्वीर को वे बदलना चाह रहे हैं वह अगर 2024 के चुनावों के बाद भी नहीं बदली तो वे क्या करने वाले हैं? क्या देश का धैर्य उनका लंबे वक्त तक साथ देने के लिए तैयार होगा? अगर चीजें नहीं बदलीं तो क्या उन्हें इसी तरह की या और ज्यादा कठिन कई नई यात्राएं करना पड़ेंगी? उन यात्राओं की तब दिशा क्या होगी? सहयात्री कौन बनेंगे? क्या देश को तब तक ऐसी स्थिति में बचने दिया जाएगा कि उनके जैसा कोई व्यक्ति जनता को जगाने वाली किसी भी यात्रा के लिए सड़कों पर निकल सके?

राहुल गांधी की पहली 'भारत जोड़ो यात्रा' के समय जो भय व्यक्त किया था वह आज भी कायम है। उसमें कोई कमी नहीं हुई है। मैंने तब लिखा

था कि यात्रा को विफल करने और नकारने के लिए तमाम तरह की ताकतें आपस में जुट गईं हैं, संगठित हो गई हैं। राहुल के पैदल चलने की थकान ये ताकतें अपने पैरों में महसूस कर रही हैं। यात्रा की सफलतापूर्वक समाप्ति के लिए इसलिए प्रार्थनाएं की जानी चाहिए कि किसी भी देश के जीवन में इस तरह के क्षण बार-बार उपस्थित नहीं होते।' राहुल की पहली यात्रा निर्विघ्न समाप्त हो गई थी। इस समय सवाल यह है कि क्या इस दूसरी यात्रा को बिना किसी बाधा के पूरा होने दिया जाएगा? राहुल को गुवाहाटी से मिल रही धमकियां किस ओर इशारा कर रहीं हैं ? आश्चर्य नहीं होता कि देश के भीतर व्याप्त व्यापक नागरिक उत्पीड़न और सीमाओं पर उपस्थित अशांत माहौल के बीच भी वे तमाम लोग जिनका सत्ता पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष नियंत्रण है अपनी राजनीतिक सुरक्षा और व्यावसायिक संपन्नता के प्रति पूरी तरह से निश्चिंत और आश्वस्त हैं ? इसके पीछे कोई तो कारण अवश्य होना चाहिए जो देश की जानकारी में नहीं है और जनता को उसके प्रति चिंता भी व्यक्त करना चाहिए। राहुल गांधी शायद उस अज्ञात कारण को जानते हैं। इस यात्रा को उसी का परिणाम माना जाना चाहिए? संदेह होता है कि मर्यादा पुरुषोत्तम राम की प्रतिमा के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को योजनाबद्ध तरीके से एक राष्ट्रीय उत्सव में इसीलिए तो नहीं तब्दील किया जा रहा है कि राहुल गांधी की यात्रा से उत्पन्न होने वाला नागरिक उत्साह उसके प्रचारात्मक शोर-शराबे में गुम हो जाए? सारे मणिपुर और कश्मीर लोकसभा चुनावों तक चलने वाले राष्ट्रव्यापी समारोहों की राजनीतिक गूंज में सफलतापूर्वक दफ्न कर दिए जाएं ? क्या ऐसा कर पाना संभव हो पाएगा ? विश्व-इतिहास में शायद पहले बार अनोखा प्रयोग हो रहा है कि एक तरफ तो एक अकेला इंसान जनता को न्याय दिलाने की आकांक्षा और संकल्प के साथ सड़कों पर निकला हुआ है और दूसरी ओर दुनिया के सबसे बड़े प्रजातांत्रिक मुल्क की हुकूमत ने अपनी समूची सामर्थ्य को सिर्फ इस काम में झोंक दिया है कि जनता को धर्म के नशे में इतना लीन कर दिया जाए कि वह यात्रा को देखने के लिए भी आंखें नहीं खोल पाए।

राहुल गांधी की महत्वाकांक्षी यात्रा जनता को अपने पैरों पर खड़े करने की कोशिशों की दिशा में एक लंबे समय तक के लिए अखीरी प्रयास मानी जा सकती है। कहा नहीं जा सकता कि देश के जीवन में इस तरह का क्षण आगे कब उपस्थित होगा !

समावेशी विकास की प्राथमिकताएं सुनिश्चित करें

सुरेश सेठ

यह सच है कि पिछले वर्षों में बड़ी कारों और बड़ी कोठियों की बिक्री ने छोटे घरों और छोटी कारों की बिक्री को कहीं पछाड़ दिया है। भारत तेजी से एक साख व्यवस्था हो गया। पिछले वर्ष में क्रैडिट कार्डों का इस्तेमाल उससे पिछले वर्षों के मुकाबले 2.50 गुणा बढ़ गया। लेकिन जहां तक जीवन निर्वाह के लिए जरूरी वस्तुओं कपड़ों, जूतों और अन्य उपभोक्ता सेवाओं की मांग है, वह सोना-चांदी, सम्पदा और अन्य स्थाई वस्तुओं, जिन्हें धनी लोग इस्तेमाल करते हैं, के मुकाबले बहुत कम है।

इन दिनों भारत की संपन्नता के जो आंकड़े देशवासियों के सामने प्रस्तुत हो रहे हैं, वे आशावाद से भरे हुए हैं। हाल ही में आई गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट बता रही है कि देश में अरबपतियों की संख्या दुनिया में तीसरे नंबर पर है जबकि अमेरिका सर्वाधिक अरबपतियों वाला देश है। यह भी तमाम विषम हालात में भी देश में अरबपतियों की संख्या बढ़ी है। फिर भी 168 अरबपति भारत में हो गए हैं। लेकिन इस संपन्न धरती के निर्धन लोगों को कैसे भूलें? यही रिपोर्ट कहती है कि देश की आधी आबादी ऐसी है जिसकी कमाई 12000 रुपये प्रति माह तक ही है। यह सच है कि पिछले वर्षों में बड़ी कारों और बड़ी कोठियों की बिक्री ने छोटे घरों और छोटी कारों की बिक्री को कहीं पछाड़ दिया है। भारत तेजी से एक साख व्यवस्था हो गया।

पिछले वर्ष में क्रैडिट कार्डों का इस्तेमाल उससे पिछले वर्षों के मुकाबले 2.50 गुणा बढ़ गया। लेकिन जहां तक जीवन निर्वाह के लिए जरूरी वस्तुओं कपड़ों, जूतों और अन्य उपभोक्ता सेवाओं की मांग है, वह सोना-चांदी, सम्पदा और अन्य स्थाई वस्तुओं, जिन्हें धनी लोग इस्तेमाल करते हैं, के मुकाबले बहुत कम है। हम बार-बार कहते हैं कि भारत में अन्य देशों की तरह से महामंदी नहीं आएगी लेकिन यहां खतरा पैदा हो गया है कि अगर वंचित और निम्न मध्यवर्ग जो देश की कम से कम आधी आबादी है, अगर उसकी मांग में कमी होती है तो उससे मंदी हमारे जरूरी उद्योगों और खेतीबाड़ी के आर्थिक द्वार पर दस्तक दे सकती है। इसीलिए वित्तमंत्री को भी चाहिए कि आने वाले अंतरिम बजट में कुछ न कुछ कदम ऐसे उठाने पड़ेंगे जिससे इस मुख्य वर्ग की उपभोक्ता मांग में कमी नहीं आएगी और हम मंदी से बचकर निकल जाएंगे। उम्मीद की जा रही है कि इन करोड़ों लोगों के हाथ में उपभोग के लिए कुछ पैसा छोड़ने के वास्ते शायद कर बोझ में कुछ कमी की जाएगी। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि भारत की उपलब्धियां कम हैं। 2014 में भारत दुनिया की आर्थिक शक्तियों में दसवें नंबर पर था लेकिन आज वह पांचवें नंबर तक पहुंच गया है। चुनावी प्रचार के माहौल में घोषणा भी हो रही है कि 2027 तक हम जर्मनी और जापान को पछाड़कर दुनिया की तीसरी बड़ी शक्ति बन जाएंगे।

यह निश्चय ही हमारी विकास यात्रा की एक महती उपलब्धि होगी और इसी के लिए भारतीयों को मनोवैज्ञानिक रूप से तैयार करने के लिए देश के कोने-कोने में आजकल विकसित भारत संकल्प यात्रा निकाली जा रही है। हमने इंटरनेट, डिजिटल और कृत्रिम मेधा के क्षेत्र में उम्मीद से अधिक तरक्की की है। हमारा इसरो अंतरिक्ष विजय अभियान में अमेरिका के नासा से 21 है 19 नहीं।

सबसे बड़ी बात कि इसरो की उपलब्धियां चाहे चांद विजय की हों या सौर विजय की, अथवा जैसे हम अभी सूर्य की थाह ले रहे हैं, वह बहुत ही किफायतशाली कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त इसरो की गतिविधियों का व्यवसायीकरण भी कर दिया गया है। तीसरी दुनिया के देशों से लेकर छोटे देशों के संचार उपग्रहों का प्रक्षेपण करने का एक बड़ा व्यवसाय भारत के निजी क्षेत्र के सामने खुल गया है। लेकिन यहां कुछ चुनौतियां और भारतीय अर्थव्यवस्था की इस दौड़ में विसंगतियां भी हमें सचेत कर सकती हैं। पहली बात तो यह कि भारत की अर्थव्यवस्था समतावाद के लक्ष्य से कहीं छिटककर विषम व्यवस्था बन गई है। मोटे तौर पर कहा जाता है कि भारत के दस प्रतिशत धनी 90 प्रतिशत सम्पदा पर कब्जा जमाए बैठे हैं और 90 प्रतिशत आबादी 10 प्रतिशत सम्पदा पर गुजारा कर रही है। नई शिक्षा नीति तो बन गई है लेकिन आंकड़ाशास्त्री बताते हैं कि हमारी युवा पीढ़ी एक बड़ी नौजवानों की आबादी दसवीं से पहले ही स्कूल छोड़ जाती है। देश में किसी कारगर रोजगार अथवा निवेश नीति के न होने के कारण बेरोजगारी बढ़ी है। देश के मुख्य धंधे खेती के क्रमशः अलाभकारी होते जाने के कारण इन नौजवानों के सामने देश से पलायन के अतिरिक्त कोई और रास्ता नहीं रह गया है। जरूरत इन प्राथमिकताओं को बदलने की है। देश के विकास और संपन्नता में सभी को साथ लेकर चलने की है। इसी को समावेशी विकास कहा जाता है, जो अकादमिक स्तर पर तो सच है लेकिन यथार्थ के स्तर पर आज भी गरीब आदमी से कोसों दूर है।

देश के वंचित वर्ग को दया की नहीं बल्कि रोजगार की गारंटी भी चाहिए। तेजी से डिजिटल होती अर्थव्यवस्था में स्वचालित उत्पादन प्रक्रिया के उत्साह के बावजूद लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों को उनका उचित स्थान देकर ही यह गारंटी दी जा सकती है। इसी गारंटी के साथ ही नौजवानों का स्वाभिमान जुड़ा है, 80 करोड़ लोगों को उदार और रियायती राशन बांट कर नहीं। इसलिए जितनी जल्दी अपने समावेशी विकास में इन प्राथमिकताओं को उनकी सही जगह पर बिठा दिया जाए, उतना ही देश का भला होगा।

बच्चा कर रहा बदतमीजी तो ऐसे सुधारें आदत

बच्चे पर चिल्लाएं नहीं

अगर बच्चा अशिष्ट व्यवहार करता है तो उसपर चीखें-चिल्लाएं नहीं। बच्चे को प्यार से समझाएं। बच्चे का गुस्सा शांत हो जाएगा तो वह शांति से बात करेगा और आपकी बात को समझेगा। आजकल बच्चों के जिद्दी होने की समस्या एक आम बात है। लेकिन इसके पीछे पैरेंट्स की भी कई कमियां हो सकती हैं। बच्चों के साथ कम बातचीत का ही नतीजा होता है कि हम उन पर उस वक्त अपना डिसीजन थोंपना चाहते हैं। उन पर चिल्लाने लगते हैं, डांटने लगते हैं। क्योंकि ऐसी स्थिति में पैरेंट्स के लिए उन्हें समझाना मुश्किल होता है।

संगत पर ध्यान

बच्चे के आसपास का माहौल उसके व्यवहार का कारण है लेकिन अगर घर पर उसे अच्छा माहौल मिल रहा है, फिर भी बच्चा गलत बर्ताव करता है तो जरूर उसकी संगत खराब हो सकती है। बच्चे के दोस्त कैसे हैं, वह अपना वक्त किन लोगों के बीच और किस काम में अधिक बिताता है, टीवी या मोबाइल पर किस तरह के कार्यक्रम देखता है, इस पर नजर रखें, ताकि गलत संगत से उसे दूर कर पाएं।

बच्चे की मन की बात समझें

बच्चे के बर्ताव का कारण अक्सर आसपास का माहौल और उनको दिए जाने वाले संस्कार का हिस्सा हैं। बच्चे देखकर अधिक सीखते हैं। बच्चे के बुरे व्यवहार को ठीक करने के लिए उसके व्यवहार की वजह जानें। हो सकता है कि वह किसी बात से असंतुष्ट व नाखुश हो। बच्चे के मन को टटोलें और समझने का प्रयास करें कि वह ऐसा व्यवहार क्यों कर रहा है, ताकि उसकी परेशानी का हल निकालकर उसके व्यवहार में बदलाव लाया जा सके।

अभिभावक के लिए बच्चे को अच्छे संस्कार देना चुनौतीपूर्ण कार्य होता है। जब तक बच्चा छोटा होता है, उसे समझाना और सिखाना आसान होता है लेकिन बड़े हो रहे बच्चे की विचार, व्यवहार में बदलाव आने लगते हैं। ऐसे में अक्सर बच्चे दूसरों का अनादर, गैरजिम्मेदारा बर्ताव, अशिष्ट बातें भी कर जाते हैं। बच्चे के बदतमीजी करने पर माता-पिता उसे डांटते हैं लेकिन इससे बच्चे का बर्ताव अधिक अशिष्ट हो सकता है। वह तुरंत तो चुप हो जाएगा लेकिन उनके बर्ताव में बदलाव नहीं आएगा। ऐसे में अगर आपका बच्चा भी अधिक गुस्सैल है और गुस्से में दूसरों से बदतमीजी से बात करता है तो उसे डांटे नहीं, बल्कि उनकी आदत में सुधार लाएं।

नियम बनाएं

हर चीज के लिए अनुशासन और नियम होते हैं। बच्चे के लिए भी कुछ नियम जरूर बनाएं। बच्चे को बताएं कि उसे इन नियमों के पालन की जरूरत क्यों हैं। बच्चा जब अनुशासन और नियम का पालन करेगा तो वह गलत बर्ताव करने से बचेगा।

बहस से बचें

अक्सर बच्चा जिद में बहस करने लगता है। बहस करने की आदत बच्चे में आक्रामकता और गुस्सा बढ़ाती है और वह बहसबाजी में बदतमीजी करने लग जाता है। लेकिन बहस हमेशा दो लोगों के बीच होती है। अगर बच्चा आपसे बहस करे तो उस वक्त शांत हो जाएं। बच्चे से बहस करने से बचें और उनकी बात सुनें। इससे वह भी आपकी बातों को ध्यान से सुनेंगे और जिद कम करेंगे। कई बार बच्चों को बहस करता देखकर ज्यादातर पैरेंट्स बच्चों को डांट कर चुप करा देते हैं। हालांकि आपके इस बर्ताव का बच्चों पर बुरा असर पड़ सकता है और बच्चे गुस्सा करना शुरू कर देते हैं। इसलिए बच्चों को चुप कराने के बजाए उनकी पूरी बात सुनने के बाद ही रिएक्ट करना बेहतर रहता है। उसके बाद उन्हें बहस करने के साइड इफेक्ट से भी अवगत कराएं और उन्हें बताएं कि बहस करना एक गलत आदत है।

हंसना मना है

सोनू अपने दोस्त मिंटू को ज्ञान बांट रहा था अगर परीक्षा में पेपर बहुत कठिन हो तो आंखें बंद करो, गहरी सांस लो और जोर से कहो- ये सब्जेक्ट बहुत मजेदार है इसलिए अगले साल फिर पढ़ेंगे।

एक बुढ़िया अम्मा को एक भिखारी मंदिर के बाहर मिला... भिखारी - भगवान के नाम पर कुछ दे दो मां जी, चार दिन से कुछ नहीं खाया। बुढ़िया 500 का नोट निकालते हुए बोली - 400 खुले हैं? भिखारी - हां हैं मां जी, बुढ़िया - तो उससे कुछ लेकर खा लेना...

अभी सुबह न ज्ञात किसका मुंह देखकर उठा था कि दिन का भोजन नसीब नहीं हुआ? पति ने शिकायत की। पत्नी बोली-मेरी मानो, बेडरूम में लगे आइने को हटा दो, वरना रोजाना यही शिकायत रहेगी।

वकील ने कटघरे में खड़ी खूबसूरत महिला से पूछा- परसों रात को तुम कहां थी? युवती-अपने पड़ोसी के साथ रेस्तरां गई थी। वकील ने दूसरा सवाल पूछा- और कल रात को? युवती- मेरे एक दूसरे पड़ोसी के साथ। वकील ने धीरे से पूछा- और आज का तुम्हारा क्या कार्यक्रम है? दूसरा वकील चिल्लाया- ऑब्जेक्शन मी लॉर्ड! यह सवाल तो मैंने पहले ही पूछ लिया है!!

कहानी | मूर्ख साधू और ठग

एक बार की बात है किसी गांव में एक साधु बाबा रहा करते थे। पूरे गांव में वह अकेले साधु थे, जिन्हें पूरे गांव से कुछ न कुछ दान में मिलता रहता था। दान के लालच में उन्होंने गांव में किसी दूसरे साधू को नहीं रहने दिया और अगर कोई आ जाता था, तो उन्हें किसी भी प्रकार से गांव से भगा देते थे। इस प्रकार उनके पास बहुत सारा धन इकट्ठा हो गया था। वहीं, एक ठग की नजर कई दिनों से साधु बाबा के धन पर थी। वह किसी भी प्रकार से उस धन को हड़पना चाहता था। उसने योजना बनाई और एक विद्यार्थी का रूप बनाकर साधु के पास पहुंच गया। उसने साधु से अपना शिष्य बनाने का आग्रह किया। पहले तो साधु ने मना किया, लेकिन फिर थोड़ी देर बाद मान गए और ठग को अपना शिष्य बना लिया। ठग साधु के साथ ही मंदिर में रहने लगा और साधु की सेवा के साथ-साथ मंदिर की देखभाल भी करने लगा। ठग की सेवा ने साधु को खुश कर दिया, लेकिन फिर भी वह ठग पर पूरी तरह विश्वास नहीं कर पाया। एक दिन साधु को किसी दूसरे गांव से निमंत्रण आया और वह शिष्य के साथ जाने के लिए तैयार हो गया। साधु ने अपने धन को भी अपनी पोटली में बांध लिया। रास्ते में उन्हें एक नदी मिली। साधु ने सोचा कि क्यों न गांव में प्रवेश करने के पहले नदी में स्नान कर लिया जाए। साधु ने अपने धन को एक कंबल में छुपाकर रख दिया और ठग से उसकी देखभाल करने का बोलकर नदी की ओर चले गए। ठग की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। उसे जिस मौके की तलाश थी, वो मिल गया। जैसे ही साधु ने नदी में डुबकी लगाई ठग सारा सामान लेकर भाग खड़ा हुआ। जैसे ही साधु वापस आया, उसे न तो शिष्य मिला और न ही अपना सामान। साधु ने ये सब देखकर अपना सिर पकड़ लिया।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

किसी भी निर्णय को लेने में विवेक का प्रयोग करें। परिवार के साथ जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

वृषभ

स्थायी संपत्ति की खरीद-फरोख्त हो सकती है। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं। बड़ा लाभ हो सकता है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे।

मिथुन

रुका हुआ पैसा मिलने के योग हैं। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। राजकीय सहयोग मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। भाग्य का साथ मिलेगा।

कर्क

कोर्ट व कचहरी के काम से छुटकारा मिल सकता है। कारोबार मनोनुकूल लाभ देगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी।

सिंह

मित्रों तथा रिश्तेदारों का सहयोग कर पाएंगे। मान-सम्मान मिलेगा। कोई बड़ा काम करने का मन बनेगा। वरिष्ठ व्यक्तियों का मार्गदर्शन लाभ में वृद्धि करेगा।

कन्या

उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। भूले-बिसरे साथियों से मुलाकात होगी। व्यय होगा। विवाद को बढ़ावा न दें। आत्मसम्मान बना रहेगा। कोई बड़ा काम तथा बाहर जाने का मन बनेगा।

तुला

भेंट व उपहार की प्राप्ति हो सकती है। बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है।

वृश्चिक

कोई बड़ी परेशानी आ सकती है। भागदौड़ अधिक होगी। शोक समाचार प्राप्त हो सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। अपेक्षित कार्यों में विलंब होगा। आय होगी।

धनु

विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद प्राप्त होगा। नौकरी में कोई नया काम कर पाएंगे। स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त हो सकता है।

मकर

चोट व दुर्घटना से हानि हो सकती है। भ्रम की स्थिति बन सकती है। किसी व्यक्ति के व्यवहार से मन को ठेस पहुंच सकती है। जल्दबाजी न करें।

कुम्भ

पूजा-पाठ में मन लगेगा। किसी साधु-संत की सेवा करने का अवसर प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

मीन

आर्थिक उन्नति के लिए नई नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। लंबे समय से रुके कार्य पूर्ण होने के योग हैं, प्रयास करते रहें। आय में वृद्धि होगी।

बॉलीवुड | मन की बात

स्टार्स अपने प्रतिद्वंदी कलाकार की करवाते हैं ट्रोलिंग : रोहित

इन दिनों एक्शन फिल्में बनाने के लिए मशहूर रोहित शेट्टी चर्चा में हैं। उन्होंने वेव सीरीज इंडियन पुलिस फोर्स से ओटीटी पर अपना धमाकेदार डेब्यू किया है। दर्शकों को यह सीरिज काफी पसंद आ रही है। इस सीरीज में सिद्धार्थ मल्होत्रा से लेकर विवेक ओबेरॉय और शिल्पा शेट्टी जैसे दिग्गज कलाकार अहम भूमिका निभा रहे हैं। रोहित शेट्टी अपने सीरीज के प्रमोशन में काफी व्यस्त हैं। पिछले दिनों रोहित ने बॉलीवुड सिनेमा और सिने स्टार्स की सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग के बारे में खुलकर मीडिया से बात की है। रोहित शेट्टी अपने बेबाक और निडर अंदाज के लिए जाने जाते हैं। पिछले दिनों उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान कई खुलासे किए। निर्देशक ने बताया, इन दिनों सोशल मीडिया पर जिस तरह से स्टार्स ट्रोल किए जाते हैं, वो काफी दुखद है। बॉलीवुड स्टार्स के फैन क्लब बने हुए हैं। इन्हीं क्लब्स के जरिए बहुत बार कई स्टार्स अपने प्रतिद्वंदी कलाकर की ट्रोलिंग करवाते हैं। मुझे इनमें से कई स्टार्स के नाम भी पता हैं क्योंकि मैं अपनी फिल्मों के लिए साइबर सेल से कई बार मिलता रहता हूं, लेकिन मैं इनके नाम का खुलासा नहीं करूंगा। मैं किसी का भी नाम नहीं लेना चाहता हूं। इंडियन पुलिस फोर्स के निर्देशक आगे कहते हैं, ये एक्टर्स जानते हैं कि मुझे इनके बारे पता है, इसलिए वे कुछ बोल नहीं सकते हैं। ट्रोलिंग के लिए 1200 से 1500 रुपए का रेट फिक्स होता है। यही एक्टर्स अपने फैन क्लब को बताते हैं कि उस एक्टर की फिल्म आ रही है, अब उन्हें ट्रोल करना है, अब उन्हें गालियां देनी हैं। रोहित शेट्टी इन दिनों 'इंडियन पुलिस फोर्स के प्रमोशन में व्यस्त हैं। दर्शकों को पुलिस फोर्स पर आधारित ये शो काफी पसंद आ रहा है। इस सीरीज से विवेक ओबेरॉय ने अपनी धमाकेदार वापसी की है। वहीं पुलिस ऑफिसर बनीं शिल्पा शेट्टी का लुक दर्शकों को काफी कमाल लग रहा है। इसके अलावा रोहित की आगामी फिल्मों में गोलमाल 5 और सिंघम 3 शामिल हैं।

गुदगुदाने को तैयार है मडगांव एक्सप्रेस

कुणाल खेमू के निर्देशन में बनी मडगांव एक्सप्रेस की रिलीज डेट से आखिरकार पर्दा उठ गया है। दरसअल, आज निर्माताओं ने फिल्म का पहला लुक जारी करते हुए ऐलान कर दिया है कि इसे 22 मार्च, 2024 को रिलीज़ होगी। फिल्म में दिव्येंदु, प्रतीक गांधी और अविनाश तिवारी टैलेंटेड एक्टर्स दिखेंगे, जिन्हें मिर्ज़ापुर, स्कैम 1992, और बंबई मेरी जान में अपने आइकोनिक रोल्स के लिए जाना जाता है। इसमें चार चांद लगाने के लिए, नोरा फतेही की करिश्माई मौजूदगी है, साथ ही अनुभव अभिनीत उपेन्द्र लिमये और छाया कदम भी हैं। फिल्म का निर्माण रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के द्वारा एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर के साथ किया गया है।

जब मेकर्स ने फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर को रिलीज किया, तो इंडस्ट्री के सेलेब्स उत्साहित हो गए हैं। ऐसे में सेलेब्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर पर कमेंट करते हुए फिल्म का पूरे फिल्म से स्वागत किया है। अभिनेत्री करीना कपूर खान ने फ़र्स्ट-लुक पोस्टर पर अपना उत्साह दिखाया और कमेंट करते हुए लिखा, टू गुड फाइनली।अभिनेता अंगद बेदी ने लिखा, बधाई हो काके, दिशा पटानी ने लिखा इंतजार नहीं कर सकती

सिर्फ मशहूर हस्तियां ही नहीं, यहां तक कि नेटिज़न्स भी फिल्म देखने के लिए अपनी उत्सुकता को रोक नहीं पा रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने अपना उत्साह जाहिर करते हुए लिखा, नोरा को देखने के लिए उत्साहित हूं

वहीं एक दूसरे सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, फैब!

मडगांव एक्सप्रेस एक कॉमेडी फिल्म है, जिसमें तीन बचपन के दोस्त गोवा की यात्रा पर निकलते हैं, जो पूरी तरह से ऑफ ट्रैक हो जाती है। यह एक हल्की-फुल्की कॉमेडी में सिल्वर स्क्रीन पर गतिशील तिकड़ी का पहला सहयोग है। एक्सेल एंटरटेनमेंट के बैनर तले रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर द्वारा समर्थित, कुणाल खेमू द्वारा निर्देशित और लिखित, मडगांव एक्सप्रेस 22 मार्च, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

दिल्ली पुलिस की मुरीद हुईं रश्मिका मंदाना

भोजपुरी | मसाला

रश्मिका मंदाना ने डीपफेक वीडियो बनाने वाले मुख्य आरोपी की गिरफ्तारी के बाद प्रतिक्रिया व्यक्त की है। एक्ट्रेस ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, दिल्ली पुलिस का बहुत आभार.. डीपफेक मामले में कसूरवारों को पकड़ने के लिए शुक्रिया... मुझे एक ऐसे समाज का हिस्सा होने पर गर्व महसूस होता है जो मुझसे इतना प्यार करता है। हमेशा मेरा हौसला बढ़ाता है और मेरी रक्षा करता है।

लड़कियां और लड़के- अगर आपकी इमेज आपकी मर्जी के बिना इस्तेमाल हो रही है तो वो गलत है। मुझे उम्मीद है कि ये पोस्ट आपको याद दिलाने में मदद करेगा कि आप जिस समाज में रहते हैं वहां लोग आपको प्यार करते हैं और हमेशा आपको सपोर्ट करेंगे। एक अधिकारी ने शनिवार को कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वायरल हुए रश्मिका के डीपफेक वीडियो के मुख्य आरोपी को दिल्ली पुलिस की एक टीम ने आंध्र प्रदेश से गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के निवासी 24 वर्षीय ईमानी नवीन के रूप में हुई है, जो विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से डीपफेक वीडियो बनाने, अपलोड करने और प्रसारित करने के लिए जिम्मेदार था। पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी ने कहा कि एक शिकायत प्राप्त हुई थी जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक प्रसिद्ध फिल्म एक्ट्रेस का एक डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया जा रहा है। प्रारंभिक विश्लेषण के दौरान यह पाया गया कि मूल वीडियो एक ब्रिटिश भारतीय लड़की ने अक्टूबर 2023 में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपलोड किया था और बाद में, एक्ट्रेस का डीपफेक वीडियो बनाया गया और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया गया।

अजब-गजब | आपके दिल को छू लेगी इन चट्टानों की दिलचस्प कहानी

प्यार की प्रतीक हैं ये 'विवाहित चट्टानें, पवित्र मानकर एक दूसरे का हाथ थामते हैं कपल्स

द वेडेड रॉक्स या मेओटो इवा जापान में दो पवित्र चट्टाने हैं, जिन्हें 'पति और पत्नी चट्टानें' या 'विवाहित चट्टानें' भी कहा जाता है। ये चट्टानें पुरुष और महिला के बीच मिलन, प्यार और सुखद गृहस्थ जीवन का प्रतीक मानी जाती हैं। कपल्स में इन चट्टानों को पवित्र मानकर इनके सामने शादी करते हैं। इन चट्टानों की दिलचस्प कहानी आपके दिल को छू लेगी।

ये दोनों चट्टानें जापान के शहर फुटामी के पास समुद्र में स्थित हैं। बड़ी चट्टान लगभग 40 मीटर परिधि के साथ 9 मीटर ऊंची है। उसका नाम इजानगी है और वह पति का प्रतीक है, जिसके शिखर पर एक छोटा सा शिंटो टोरी गेट है। इस चट्टान के दाईं ओर 3.6 मीटर ऊंची चट्टान है, जिसका नाम इजानामी है, जो लगभग 9 मीटर गोल है। वह एक पत्नी के रूप में प्रतिनिधित्व करती है। विवाहित होने के कारण, दोनों चट्टानें शिमेनावा रस्सी से जुड़ी हुई हैं, जो आध्यात्मिक और सांसारिक क्षेत्रों के बीच विभाजन का प्रतीक है। यह रस्सी शिमेनावा कहलाने वाले चावल के डंठल से बनी हुई होती है, जिसका वजन लगभग एक टन होता है और उसे साल में तीन बार मई, सितंबर और दिसंबर में आयोजित एक खास समारोह में बदल दिया जाता है।

मेओटो इवा को आज विवाह के लिए एक तीर्थस्थल के रूप में माना जाता है। लोग इन चट्टानों को पवित्र मानकर इनके सामने एक-दूसरे का हाथ थामते हैं और हमेशा जीवनभर साथ रहने की कसमें खाते हैं। नवविवाहित जोड़े चट्टानों को देवता स्वरूप मानकर उनके सामने प्रर्थना करते हैं कि उनकी शादी उतनी ही मजबूत और स्थायी रहे, जितनी की ये दोनों चट्टानों की है। चट्टानें शिंटो मान्यताओं के अनुसार, चट्टानें पुरुष और महिला के विवाह में मिलन का जश्न मनाती हैं।

चट्टानों की धार्मिक मान्यताओं और उसके चारों ओर के सुंदर प्राकृतिक नजारे को देखते हुए लोग बड़ी संख्या में यहां घूमने के लिए आते हैं। चट्टानों को देखने का सबसे अच्छा समय गर्मियों के दौरान सुबह का होता है, जब सूरज उनके बीच उगता हुआ दिखाई देता है, तो बड़ा ही अद्भुत नजारा देखने को मिलता है।

शुतुरमुर्ग के बाद दुनिया का सबसे बड़ा पक्षी, एक कदम में चलता है 9 फीट की दूरी

एमु बड़ा ही अजीबोगरीब पक्षी है। यह शुतुरमुर्ग के बाद दुनिया का सबसे बड़ा पक्षी है और उसकी तरह ही दिखता है। इन पक्षियों के पंख तो होते हैं लेकिन ये उड़ नहीं सकते हैं। हालांकि ये पक्षी बहुत तेज रफ्तार से भाग सकता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि भागते समय यह पक्षी एक कदम में 9 फीट की दूरी तय कर सकता है। इस पक्षी की कई ऐसी खूबियां हैं, जो आपके होश उड़ा देंगी! एक रिपोर्ट के अनुसार, एमु पक्षी का साइंटिफिक नाम ड्रोमियस नोवाहोलैंडिया है, जिसके शरीर पर ब्राउन, ग्रे और ब्लैक कलर पाए जाते हैं। इनका जीवनकाल 12-20 साल होता है। हालांकि जंगल में ये पक्षी का 5 से 10 साल ही जीवित रह पाता है। यह एक सर्वाहारी पक्षी है, जो बीज, फल, कीड़े और छोटे जानवरों को खाता है। एमु ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासी पक्षी हैं। यह वहां का सबसे बड़ा भी पक्षी है, जो 6.2 फीट तक लंबे हो सकते हैं। इनके पैर लंबे और गर्दन ऊंची होती है। इनके पत्येक पैर में 3 उंगलियां होती हैं। इनका वजन 30 किलोग्राम से 55 किलोग्राम तक हो सकता है। इमू पक्षी के मुख्य शिकारी डिंगो, चील और बाज हैं। **तेज धावक:** ये पक्षी भागने में काफी तेज होते हैं, जो 25 मील प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ सकते हैं। दौड़ते समय उनके कदम भी काफी लंबे होते हैं। एमु का एक कदम 9 फीट लंबा हो सकता है। **अनोखे पंख:** अधिकांश पक्षियों से अलग इनके शरीर पर डबल शॉफ्ट वाले विशिष्ट पंख होते हैं, जो उन्हें लचीला बनाते हैं। हालांकि वे इन पंखों से उड़ नहीं सकते हैं। **दमदार आवाज:** एमु पक्षी की आवाज काफी अलग होती है, जो इतनी तेज होती है कि एक मील (1.6 किलोमीटर) दूर से सुनी जा सकती है। **अनोखी पलकें:** इसकी आंखें अनोखी होती हैं। प्रत्येक आंख पर दो पलके होती हैं। एक पलक धूल से आंखों को बचाने के लिए जबकि दूसरी पहल झपकाने के लिए होती है। **मारते हैं लात:** एमु अपने बड़े पैरों का इस्तेमाल शिकारियों को लात मारने के लिए भी करते हैं। ये इतनी तेज से लात मार सकते हैं कि किसी जानवर की भी मौत हो सकती है।

कानून व संविधान का सम्मान नहीं कर रहे असम के सीएम : आनंद

» राहुल गांधी की न्याय यात्रा को लेकर असम में गरमाई सियासत

» नारा लगाने वाले डरपोक थे भाग गए : श्रीनेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गुवाहाटी। असम में राहुल की न्याय यात्रा में खलल डालने के बाद हुई अरजकता पर भाजपा व कांग्रेस में तीखा वा पलटवार शुरू हो गया है। कांग्रेस ने पलटवार कहते हुए असम के सीएम को कानून व संविधान का सम्मान करना चाहिए। मालवीय को जवाब में कांग्रेस की इंटरनेट मीडिया एंड डिजिटल प्लेटफार्म्स की अध्यक्ष सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, राहुल गांधी ने अपना आपा नहीं खोया था। बल्कि वह नारे लगा रहे लोगों से मिलने गए थे और जैसे ही वह उनके बीच पहुंचे, वे भाग गए। उन्होंने जो किया, उसके लिए साहस चाहिए। ये कुछ ऐसा है जो आप और आपके आका नहीं समझेंगे।

असम की भाजपा सरकार पर बरसते हुए कांग्रेस नेता आनंद शर्मा ने कहा कि इस घटना की आलोचना की जानी चाहिए और मुख्यमंत्री सरमा को कानून एवं संविधान का सम्मान करना चाहिए। इससे पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर असम के नौगांव में हमले के बाद उनकी टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि आज सिर्फ राम के बारे में बात होनी चाहिए, रावण के बारे में नहीं। अयोध्या में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के दिन सरमा ने कहा, आज 500 वर्षों की दासता खत्म हो गई। भारत ने दिखाया है कि इस देश में कुछ भी संभव है। मुझे पूरा विश्वास है कि अब रामराज शुरू हो गया है। रामराज होने के साथ ही भारत विश्वगुरु भी बनेगा। नौगांव की घटना के बारे में भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स पर पोस्ट में कहा, उनकी यात्रा (भारत जोड़ो न्याय यात्रा) के दौरान कुछ लोगों ने जय श्रीराम और मोदी-मोदी के नारे लगाए, इसलिए राहुल गांधी ने अहंकार में उन पर धावा बोल दिया। सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें रोका। मोहब्बत की दुकान या अहंकार की दुकान। वंशवादी द्वारा शर्मनाक व्यवहार। यहां तक कि उन्होंने भीड़ के सामने चुंबन की हरकत भी की। भाजपा के आइटी प्रकोष्ठ के प्रमुख अमित मालवीय ने घटना का वीडियो साझा करते हुए कहा, जय श्रीराम और मोदी-मोदी के नारों के बाद राहुल गांधी ने अपना आपा खोया। उन्होंने एक्स पर लिखा, अगर वह इससे इतना परेशान हैं, तो हिंदू विरोधी कांग्रेस द्वारा अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण ठुकराने के बाद वह आने वाले दिनों इस देश के लोगों का सामना कैसे करेंगे?

राम की बात करें रावण की नहीं : हिमंत बिस्वा सरमा

नौगांव में हमले को लेकर राहुल गांधी की टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, आज आप रावण के बारे में बात क्यों कर रहे हैं? कम से कम आज तो राम के बारे में बात कीजिए। हमें 500 वर्षों के बाद राम के बारे में बात करने का अवसर मिला है। हमें सिर्फ उनके बारे में बात करनी चाहिए, रावण के बारे में नहीं।

महिला विरोधी पार्टी है भाजपा : ममता बनर्जी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता में टीएमसी प्रमुख ने निकाली सद्भावना रैली

कोलकाता। ममता ने कहा कि मुझे इसकी परवाह नहीं कि कौन किसकी पूजा करता है। मुझे देश में बेरोजगारी से दिक्कत है। कहाँ गया देश का पैसा? टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि आज बंगाल के लिए गौरव का दिन है, जहां पूरा देश धार्मिक कार्यक्रम में लगा हुआ है, वहीं बंगाल के लोग सड़क पर एक साथ खड़े होकर शांति की प्रार्थना कर रहे हैं।

ज्ञात हो कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सुप्रीमो ममता बनर्जी ने कोलकाता में अपनी सर्व-धर्म सद्भाव रैली शुरू की। अपनी ट्रेडमार्क सफेद और नीली बॉर्डर वाली सूती साड़ी और गले में शॉल लपेटे ममता बनर्जी के साथ विभिन्न धर्मों के धार्मिक नेता और टीएमसी नेता भी थे। उन्होंने शहर के हाजरा मोड़ इलाके से संघति मार्च शुरू किया। कोलकाता में सर्वधर्म रैली में ममता बनर्जी ने कहा कि मैं चुनाव से पहले धर्म का राजनीतिकरण करने में विश्वास नहीं करती। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भाजपा भगवान राम के बारे में बात करती है, लेकिन देवी सीता के बारे में नहीं बोलती क्योंकि उनकी पार्टी महिला विरोधी है। उन्होंने कहा कि मैं बंगाल में 34 वर्षों तक मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) से लड़ती रही, अब मैं देखती हूं कि वे 'इंडिया' गठबंधन की बैठकों में अपनी बातें थोपने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं भगवान राम की पूजा करने वालों के खिलाफ नहीं हूं लेकिन लोगों की खान-पान की आदतों में हस्तक्षेप पर मुझे आपत्ति है।

हम लोकतंत्र पर कोई समझौता नहीं करेंगे : पवार

» मधु दंडवते जन्म शताब्दी समापन समारोह मुंबई में संपन्न

» ईमानदारी, सादगी, पारदर्शिता, सुचिता और संघर्ष के प्रतीक थे मधु दंडवते

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। मधु दंडवते जन्म शताब्दी समारोह समिति द्वारा मधु दंडवते जन्मशती समापन समारोह मुंबई के यशवंतराव चौहान सभागार में मेधा पाटकर की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान मधु दंडवते जी के जीवन पर एक फिल्म दिखलाई गई।

प्रसिद्ध ओडिसी कलाकार झेलम परांचपे ने नृत्य के माध्यम से आदरांजलि दी कार्यक्रम को वरिष्ठ समाजवादी, स्वतंत्रता सेनानी डॉ जी जी परीख, जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फ़ारूक अब्दुल्ल्पा, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार, कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चौहान, सांसद दानिश अली, कर्नाटक के मुख्यमंत्री के सलाहकार, पूर्व डिप्टी स्पीकर एवं विधायक बी आर पाटिल, एच एम के पी के अध्यक्ष माईकल फर्नांडिस और सी पी आई, सी पी एम एवं शेकप के नेताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष नाना पटोले, समाजवादी नेत्री मंजू मोहन, एम एल सी विद्या चौहान, पूर्व सांसद पंडित रामकिशन एवं मुंबई के विभिन्न ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि मौजूद थे। सभी वक्ताओं ने मधु दंडवते द्वारा रेल मंत्री, वित्त मंत्री तथा योजना आयोग के उपाध्यक्ष के तौर पर किए गए उल्लेखनीय कार्यों का हवाला देते हुए उन्हें भारतीय राजनीति में ईमानदारी, सादगी, पारदर्शिता, सुचिता और संघर्ष का प्रतीक बताया। सभी वक्ताओं ने कोंकण रेलवे के निर्माण में मधु दंडवते और जॉर्ज फर्नांडीज की अहम भूमिका का उल्लेख किया। गोवा मुक्ति आंदोलन तथा संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन में उनकी भूमिका का विशेष उल्लेख किया गया। डॉ जी जी परीख ने आशा व्यक्त की कि इंडिया गठबंधन आने वाले समय में मजबूत विकल्प दे सकेगा।

बदलाव लाने के लिए जनता के बीच जाकर उनका मन बदलना होगा : अब्दुल्ला

जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि देश में बदलाव तब आएगा जब देश के नागरिकों के मन में यह सोच पैदा हो जाएगी कि देश में बदलाव करना है ! तब बदलाव आएगा। किसी एक पार्टी या व्यक्ति के खिलाफ बोलने से बदलाव नहीं आ सकता। हमें जनता के बीच जाकर उनका मन बदलना होगा। सामाजिक कार्यकर्ता मेधा पाटकर ने कहा कि मधु दंडवते जी ने गोवा मुक्ति आंदोलन के समय जो अत्याचार सहा उसको कोई भूल नहीं सकता। सभी समाजवादी अहिंसा के पक्षधर थे। आज जो हिंसा का माहौल देश में फैला है उसके सामने अहिंसक सत्याग्रह की

विराट पहले दो टेस्ट मैचों में नहीं खेलेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। भारत और इंग्लैंड के बीच 25 जनवरी से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज होना है। वहीं पहले दो मुकाबलों के लिए टीम इंडिया का ऐलान पहले ही हो चुका है। इस टीम का हिस्सा विराट कोहली भी थे और वे पहले टेस्ट मैच के लिए हैदराबाद भी पहुंचा गए थे। लेकिन अब उन्होंने निजी कारणों के चलते पहले दो टेस्ट से अपना नाम वापस ले लिया है। जिसके बाद सवाल उठता है कि उनकी जगह किसे प्लेइंग इलेवन में मौका मिलेगा?

विराट को लेकर बोर्ड ने बताया है वह जानते हैं कि टीम के साथ रहना उनकी प्राथमिकता है, लेकिन परिवार से जुड़ी कुछ चीजें ऐसी होती हैं। जिनके लिए आपको आगे रहना पड़ता है। इसी कारण से वे पहले दो टेस्ट मैचों से हट गए हैं। बोर्ड ने फैंस और मीडिया से अपील की है कि टीम का साथ दें। भारतीय टीम के लिए विराट कोहली का नहीं होना एक बड़ा झटका है।

केंद्र लोकसभा के साथ जम्मू कश्मीर विस चुनाव कराए: उमर

श्रीनगर (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। उमर अब्दुल्ला ने भाजपा के एक दशक लंबे शासन पर सवाल उठाया और कहा कि चुनावी जीत के लिए धार्मिक मुद्दों का सहारा लेना उनके शासन की विफलता को दर्शाता है। उन्होंने कहा, कि अगर, दस साल तक सत्ता में रहने के बाद, भाजपा को चुनाव जीतने के लिए धर्म की ओर वापस जाना पड़े, तो क्या आपको नहीं लगता कि उनकी सरकार विफल हो गई है?

फोटो: सुमित कुमार

परेड की तैयारी राजधानी लखनऊ अब गणतंत्र दिवस के लिए तैयार होने लगी है। आज सेना, सुरक्षा व अन्य कई संगठनों ने 26 जनवरी गणतंत्र दिवस से पहले रिहर्सल किया। इसके लिए पूरी परेड चारबाग से विधानसभा होते हुए केडी सिंह बाबू स्टेडियम तक गई।

बिहार सरकार के मंत्री तेज प्रताप यादव ने भाजपा व पीएम पर साधा निशाना, कहा-

राम नहीं आ रहे चुनाव आ रहे हैं!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार सरकार में मंत्री और आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव अपने बयानों से सुर्खियों में रहते हैं। 22 जनवरी को राम मंदिर की हुई प्राण प्रतिष्ठा को लेकर उन्होंने बयान दिया था कि सपने में भगवान राम आए थे और कहा था कि वह अयोध्या नहीं आ रहे हैं। अब उन्होंने मंगलवार (23 जनवरी) को सोशल मीडिया एक्स पर बड़ा बयान दिया है।

तेज प्रताप यादव ने लिखा, राम नहीं आ रहे हैं! चुनाव आ रहे हैं! श्री राम तो हमारे मन में, हृदय में और कण-कण में विराजमान हैं पूर्व से ही. सनातन धर्म की मान्यताओं के अनुसार भगवान श्री राम, विष्णु जी के अवतार हैं और भगवान विष्णु के अंतिम अवतार कल्कि अवतार को कलियुग का अंत होने के बाद धर्म की पुनर्स्थापना के लिए आना बाकी है। सियावर रामचंद्र की जय। दरअसल तेज प्रताप यादव ने इस ट्वीट के जरिए 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव की तरफ इशारा किया है. बिना नाम लिए उन्होंने बीजेपी पर एक तरह से हमला किया है। बता दें कि राम मंदिर को लेकर विपक्ष के नेता इसे सीधे तौर पर बीजेपी का चुनावी मुद्दा बता रहे हैं।

राम को लाने से पहले अपने अंदर के रावण को बाहर निकालें

इसके पहले बीते प्राण प्रतिष्ठा के दिन भी तंज कसते हुए ट्वीट किया था और कहा था कि राम तो सबके मन में हैं। अंधभक्त राम को लाने से पहले अपने अंदर के रावण को बाहर निकालें क्योंकि राम के लोग कभी भेदभाव नहीं करते। सबसे पहले महिलाओं के खिलाफ अत्याचार बंद होना चाहिए और गरीबी और भूख जैसे रावण को कैसे खत्म करे इस पर विचार होना चाहिए। राम को लाना है तो अपने बुरे विचारों को बाहर निकालिए और देश को प्रेम सद्भाव और खुशहाली के रास्ते पर लेके चलिए।

उत्तर भारत में कोहरे से ठहर गई जिंदगी

» ठंड का येलो अलर्ट, 26 तक ठिठुराएगी सर्दी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली व यूपी समेत आस-पास के इलाकों में कड़ाके की ठंड का जारी है। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में मंगलवार सुबह कोहरा छाया रहा। सोमवा को हल्की धूप निकली पर गलन से राहत नहीं मिली। मौसम की वजह से आने-जाने वाली उड़ानों और ट्रेन यातायात्र पर खासा असर देखने को मिला। मौसम विभाग की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, दिल्ली में मंगलवार को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम 18 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है।

हालांकि, आज सुबह दिल्ली में न्यूनतम तापमान 6.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। 26 जनवरी की सुबह तक पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बहुत घना कोहरा छाया रह सकता है। मौसम विभाग ने मंगलवार के लिए येलो अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को दिल्ली में उत्तर-पश्चिम दिशा से ठंडी हवाएं चल सकती हैं। पर्वतीय क्षेत्रों से आने वाली ठंडी हवाओं के कारण दिन के समय मौसम सर्द होगा। वहीं, मौसम साफ रहने से रात भी सर्द होगी। हालांकि, तापमान में मामूली बढ़त का अनुमान है। मौसम विभाग ने 28 जनवरी तक सुबह के समय धुंध छाए रहने का अनुमान जताया है।

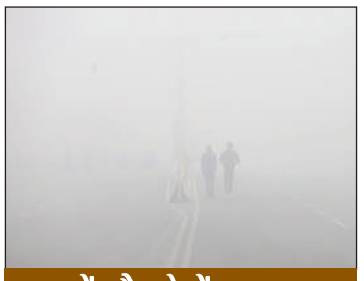

उड़ानें और ट्रेनों पर असर

कोहरे की वजह से दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कई उड़ानों में देरी हुई। वहीं दूसरी तरफ 28 ट्रेनें भी अपने निर्धारित समय से पांच घंटे या उससे अधिक की देरी से हैं। हावड़ा-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, आज़मगढ़-दिल्ली जेएन कैफियत एक्सप्रेस, बेंगलुरु-निजामुद्दीन राजधानी एक्सप्रेस, राजेंद्रनगर-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस, बनारस-नई दिल्ली एक्सप्रेस, डिब्रूगढ़-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस समेत 28 ट्रेनें शामिल हैं। इसके अलावा कटिहार-अमृतसर आम्रपाली एक्सप्रेस पांच घंटे की देरी से है।

बच्चों से गुलजार हुए स्कूल

लखनऊ। सोमवार को मौसम बाकी दिनों की तुलना में बेहतर रहा। इसी के साथ प्राथमिक कक्षाओं में चल रही छुट्टियां खत्म हो गईं। हालांकि स्कूल का टाइमिंग बदला हुआ रहेगा। डीएम सूर्यपाल गंगवार ने सोमवार से स्कूल खोलने का आदेश जारी कर दिया। प्राथमिक से लेकर 12वीं तक के सभी सरकारी, गैर सरकारी व निजी स्कूल समय में बदलाव के साथ खोलने की अनुमति दी है। स्कूलों का समय सुबह 10 से दोपहर तीन बजे कर दिया गया है। यह भी कहा गया कि जिन स्कूलों में संभव हो, ऑनलाइन कक्षाएं चलाई जा सकती हैं। कक्षाओं में पढ़ाई के दौरान ठंड से बचाव के इंतजाम करने के निर्देश दिए गए हैं।

'भारत की धर्मनिरपेक्षता भगवा राजनीति के पहाड़ तले दब गई'

» विदेशी मीडिया में छाया रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह का कवरेज

» पाकिस्तान कतर से लेकर नेपाल के अखबारों ने छापी खबरें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। 22 जनवरी 2024 का इंतजार पूरी दुनिया कर रही थी , जहाँ जहाँ राम भक्त हैं वो सब इस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे...और जब ये दिन आया तो लोगों का जो एक लंबा इंतजार था वो खत्म हुआ और अयोध्या में भव्य राम मंदिर का उद्घाटन हुआ भगवान राम लला अपने गर्भ गृह में विराजमान हो गए....प्राण प्रतिष्ठा के इस कार्यक्रम में पीएम मोदी समेत कई नामचीन हस्तियां शामिल हुई....इस कार्यक्रम की एक एक तस्वीर भारतीय मीडिया ने दिखाई, खासकर पीएम मोदी पर भारतीय मीडिया का फोकस कुछ ज्यादा था , क्यों कि अगर साहब पर कैमरा ना होता , टीवी पर साहब की हर एंगल की तस्वीर ना दिखती तो साहब नाराज हो जाते ।

भव्य कार्यक्रम की कवरेज करने के लिए लंबे समय से मिडिया अयोध्या में थी, आपको हर एक जानकारी मिल रही थी....लेकिन विदेशी मीडिया क्या कुछ छाप रहा था,हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान की मीडिया में क्या कुछ लिखा जा रहा था ये भी जानना जरूरी है...जाहिर सी बात है कि पूरी दुनिया की नजर राम मंदिर उद्घाटन पर थी तो पाकिस्तान भी नजर गड़ाए हुए था....तो पहले बात करते हैं कि पाकिस्तानी की, वहां की मीडिया में राम मंदिर उद्घाटन को लेकर अलग ही खबर छापी जा रही थी...पाकिस्तानी मीडिया में प्रतिष्ठा से पहले और उसके बाद जो कुछ छापा गया वो आपको हम बता रहे हैं, पाकिस्तान के कई अखबारों ने इसे लेकर लिखा है कि बाबरी मस्जिद को गिराकर बनाए गए राम मंदिर में आज पीएम रामलला की प्राण प्रतिष्ठा करने जा रहे हैं...ये प्राण प्रतिष्ठा से पहले छापा गया था.....पाकिस्तान के प्रमुख अखबार, द डॉन में एक लेख छापा गया जिसमें लेखक परवेज हुदभोय ने लिखा है कि जहां पहले पांच शताब्दी पुरानी बाबरी मस्जिद हुआ करती थी, अब वहां राम मंदिर बन रहा है....राम मंदिर के चारों तरफ वेटिकन सिटी जैसा शहर बनने को तैयार है...इसी लेख में आगे लिखा है कि हिंदुत्व का संदेश दो वर्गों को टारगेट करता है... पहला है- भारत के मुसलमान, जिस तरह पाकिस्तान अपनी हिंदू आबादी को कम अधिकारों वाले दोयम दर्जे के नागरिकों के रूप में देखता है, उसी तरह भारत में मुसलमानों को भी यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि उनके एक प्राचीन भूमि को बर्बाद कर दिया और उसकी महिमा को लूट लिया। मशहूर अखबार अलजजीरा में क्या कुछ लिखा है, ऑपिनियन ने लिखा कि , भारत की धर्मनिरपेक्षता भगवा राजनीति के पहाड़ तले दब गई है। भारत की राजनीतिक टिप्पणीकार इंसिया वाहन्वति के लिखे लेख में कहा गया है कि धर्मनिरपेक्ष भारत के किसी प्रधानमंत्री का मंदिर का उद्घाटन करना अनुचित है.....लेख में कहा गया, बाबरी मंदिर का विध्वंस आज भी मुसलमानों के लिए दुखदायी है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।